तीतुस नई कलीसियाओं का सर्वेक्षक था

क्षेत्रीय सर्वेक्षक जो नये झुन्ड के नये अगुवे नियुक्त करता था।

जो बच्चों को सिखाते हैं उन्हें अध्ययन आर 1 बी पढ़ना चाहिये

1. अपने हृदय को परमेश्वर के वचन और प्रार्थना के साथ तैयार करें।

ये जानने के लिये कि क्षेत्रीय सर्वेक्षक क्या करता है कृपाकर पौलुस का तीतुस को लिखा पत्र पढ़ लें।

- हमें क्षेत्रीय सर्वेक्षक की क्यों आवश्यकता है? (सर्वेक्षक को बिशप भी कहा जा सकता है या और कोई उचित नाम)

[उत्तर नये झुन्ड को उनके लिये करने को किसी की आवश्यकता होती है जैसा तीतुस ने क्रेते में किया जिसका नाम देना था और नये चरवाहे तैयार करता था। साधरणात: नई मन्डलिया अपने आप में ये करने के लिये परिपक्व नहीं होती। अपने पुत्र तीतुस और तिमाथी को पौलुस ने चरवाहों और मिलकर काम करने वालों के चित्र और कर्यक्तओं का वर्णन किया। अधिक परिपक्त झुन्ड जैसे अन्ताकिया की अपने अगुवे का नाम दे प्रेरित 13:1-3]

तीतुस 1:1-3 में खोजें:

- प्रभु यीशु के विषय में पौलुस का क्या स्थान था।
- पौलुस को परमेश्वर ने क्या कार्य सौंपा।

तीतुस 1:4-5 में खोजें

- तीतुस का पौलुस के साथ सम्बन्ध।
- पौलुस ने क्यों तीतुस को क्रेते में छोड़ा।
- पौलुस ने तीतुस को क्या बताया क्षेत्रीय सर्वेक्षक क्रेते की नई मंडलियों के लिये करे?

2 कुरिन्थि 2:12-13 में खोजें पौलुस ने तीतुस के साथ का क्या मूल्य आंका उसका "आत्मिक पुत्र"

2 कुरिन्थि 7:5-7 में खोजें:

- दूसरे लोगों ने तीतुस के विषय क्या सोचा।
- जब तीतुस पौलुस के साथ था तो पौलुस क्या सहने और झेलने को तैयार था?
- तीतुस 1:6-9 में नये चरवाहों की आवश्यकताएं खोजें (प्राचीनों की):
- एक प्राचीन के परिवार को कैसा होना चाहिये।
- एक प्राचीन का चरित्र कैसा होना चाहिये।

तीतुस 1:10-16 में खोजें उन समस्याओं को जिन्हें इन प्राचीनो को सही कर लेनी चाहिये

पौलुस ने तीतुस को बताया कि कुछ चीज़ें अभी पूरी नहीं हुई हैं **(तीतुस 1:5)**

तीतुस 2:1-10 में पता करें वे कौन सी कुछ चीज़ें है जिन्हें ठीक करना है:

- बुढे व्याक्तियों को तीतुस को क्या निर्देश करने को देना है?

- बुढे महिलायें?
- जवानो जवान व्याक्तियों को?
- बंधुऔर दासों को?
- (रोमियों के कानून में बंधुवा दास को अपने स्वामी की सेवा करनी है जो "स्वतंत्र पुरूष") कहलाते थे।

तीतुस 2:15 में पता करें किस प्रकार एक क्षेत्रीय सर्वेक्षक को इन सब चीज़ों को जोरदारी से व्यक्त करना चाहिये।

फिलिप्पियों 2:19-30 में दो सर्वेक्षको के नाम बतायें जिन्होंने फिलिप्पी के क्षेत्र में सेवाएं की।

- ये दोनो सर्वेक्षक किस प्रकार के पुरूष थे?
- उन्होंने पौलुस के साथ कलीसियाओं के लिये क्या किया?
- पौलुस उन पर कितना भरोसा करता था?

2. अपने सह कर्मियों के साथ दूसरी क्षेत्रीय कलीसियाओं से आपसी सामंजस्य के लिये योजना बनायें।

परमेश्वर की बुद्धि के लिये साथ साथ प्रार्थना करें कि सही काम करने के लिये सही लोगों के नाम दे सकें।

- कौन आपकी मंडली का निरीक्षण करता उसके लिये सहमत हों। ये "प्रेरित" भी हो सकता है जिन्होने उन्हें आरम्भ किया है या एक अगुवा जो उनके सही चिन्ता दिखाता है। नये नियम में ऐसे प्रेरित दूसरे क्षेत्रों से नई मंडलिया आरम्भ करने को आये।
- क्या सर्वेक्षक नये चरवाहों को परामर्श देने योग्य है? यदि नहीं तो उन्हें दूसरे का नाम देना चाहिये जैसे पौलुस ने तीतुस और तिमोथी का नाम लिया।

नये सर्वेक्षक को दिखाओ कि उन्हें क्या करना चाहिये:

- नई मंडलियों को जाकर मिलें उत्साहित करें और उन्हें लिखें जैसा पौलुस ने किया।
- अपने साथ नये सिखियों को ले जिन्होंने उससे दूसरों को निर्देश देना सीखा है (2 तिमुथि 2:2)
- जब तक मंडलियां नये नियम की जरूरत के अनुसार गतिविधियां ना करने लगें, चरवाहे का प्रबन्ध करें जो नये प्राचीनो को परामर्श दे सकें।

जब चहल पहल छोटी है तो "प्रेरित" स्वंय क्षेत्रीय सर्वेक्षक का कार्य करते हैं। (प्रेरित 14:21-23) जब "प्रेरित" कहीं और जाकर सेवा करने को तैयार है तो उसे अपने प्रशिक्षार्थियों को क्षेत्र में परमेश्वर का कार्य करने हेतु अधिकार दें (फिलिप्पि 2:19-24)

- निश्चय करें कि सब चरवाहे जो नये चरवाहों को परामर्श देते हैं उनके पास पौलुस तिमोथी के अध्ययन सामग्री हो या दूसरी उपयुक्त सामग्री हो।
- मंडलियों को अपने कार्य संचालित करने में सहायता करें।
- वे नये शिक्षार्थी जो विश्वासयोग्यता के साथ सेवा करते तो खुले आम उनकी पुष्टि करने की योजना बनायें।
- उन पर हाथ रखकर उन्हें सबके सामने अधिकार दें (2 तिमुथि 1:6, 1 तिमुथि 4:14)
- कलीसियाओं को निर्देश दें कि इनका सम्मान करें (1 कुरिन्थि 16:10-11; फिलिप्पी 2:29)
- लोग जो पाप करते रहते हैं उन्हें अधिकार ना दें (1 तिमुथि 5:22)

एक "प्रेरित" का प्रबन्ध करें ये दिखाने कि क्षेत्रीय सर्वेक्षक कैसे....

- मंडली की आवश्यकताओं को जानने के लिये कैसे नये चरवाहों से बात करना है।
- ये पता करें कि उनके झुन्ड के सदस्य कैसा कर रहे हैं और आरम्भ करना चाहिये।
- उन लोगों की तलाश करें जो प्राचीनो की आवश्यकताओं को पूरा करना आरम्भ करते हैं जैसे तीतुस 1:6-9 में।

3. आने वाली अराधना के समय की योजना अपने सहकर्मियों के साथ करें।

2 कुरिन्थि 2:12-13 और 7:5-7 से तीतुस के बारे में बतायें।

फिलिप्पियों 2:19-30 से तिमुथि और इपफरादीतुस के विषय बतायें। वर्णन करें कि प्रभु यीशु कैसे नम्र पशिक्षार्थी सर्वेक्षक जो विश्वास योग्य और वर्णन करें:

- क्षेत्रीय सर्वेक्षक की आवश्यकताएं और वे क्या करते हैं, भाग 1 और 2 से।
- "प्रेरित" क्या करते हैं भाग 2 से।

बच्चों ने जो बड़ों को दिखाने के लिये तैयार किया है उन्हें प्रस्तुत करने दें।

विश्वासी लोग अपनी आशिषों अच्छे कार्यों और सर्वेक्षक जिसको वे जानते उसके चरित्र के विषय गवाही दें।

प्रभु भोज का परिचय करने के लिये गिनती 9:1-5 पढ़ें। वर्णन करें कि परमेश्वर के लोगों ने फसल के मेमने को जंगल मे खाया ये स्मरण दिलाते हुए कि कैसे परमेश्वर ने परिवारों के पहलौठों को छोड़ दिया जिनके दरवाजे पर मेमने का लहू लगा हुआ था और जिन्हें मिस्त्र की दासत्व से बाहर निकाला।

2 या तीन के छोटे झुन्ड से प्रार्थना करें, योजना की पुष्टि करें और एक दूसरे को प्रोत्साहित करें।

मरकुस 10:42-45 पढ़ें और एक साथ पद 45 **कंठस्त करें।**

Copyright 2004 © by Paul-Timothy. May be freely copied. Download from www.Paul-Timothy.net